



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 115]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 16, 2000/श्रावण 25, 1922

No. 115]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 16, 2000/SRAVANA 25, 1922

बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 2000

बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (विनिधान) विनियम, 2000

फा. सं. आई आर डी ए/रेग्यु/8/2000.—प्राधिकरण, बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) की धारा 27क, 27ख, 27ग और 114क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बीमा सलाहकार समिति के परामर्श से, निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ—(1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (विनिधान) विनियम, 2000 है।

(2) ये राजपत्र में प्राकशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं—इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) अभिप्रेत है;

(ख) “निधियों की अनुवृद्धि” से विनिधान आय, विद्यमान विनिधान के विक्रय/मोचन संबंधी लाभ और प्रचालन अधिशेष अभिप्रेत है;

(ग) “प्राधिकरण” से बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1999 (1999 का 41) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन स्थापित बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण अभिप्रेत है;

(घ) “प्रधान अधिकारी” के कोई ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है, जो किसी बीमाकर्ता के प्रबंध से संबंधित है या कोई अन्य व्यक्ति, जिस पर प्राधिकरण ने उसको प्रधान अधिकारी के रूप में मानते हुए अपने आशय की सूचना की तामील की है;

(ङ) उन सभी शब्दों और पदों का, जो इस में प्रयोग किए गए हैं किन्तु परिभाषित नहीं हैं, वही अर्थ होगा, जो उनका बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) या बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1999 (1999 का 41) या उनके अधीन बनाए गए किन्हीं नियमों या विनियमों में उनका है।

3. विनिधानों का विनियमन

(1) जीवन कारबार : अधिनियम की धारा 27 या 27क पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जीवन बीमा कारबार करने वाला प्रत्येक बीमाकर्ता अपनी नियंत्रित निधि का निम्नलिखित रीति में विनिधान करेगा और सभी समयों पर विनिधान को कायम रखेगा :—

क्र.सं. विनिधान का प्रकार	प्रतिशतता
(i) सरकारी प्रतिभूतियां	25%,
(ii) सरकारी प्रतिभूतियां या अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां (जिनके अन्तर्गत उपर्युक्त (i) भी हैं)	50% से अन्यून,
(iii) अनुसूची 1 में यथाविनिर्दिष्ट अनुमोदित विनिधान	
(क) अवसंरचना और सामाजिक सेक्टर स्पष्टीकरण : इस अपेक्षा के प्रयोजन के लिए, अवसंरचना और सामाजिक सेक्टर का क्रमशः वही अर्थ होगा, जो उनका बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (भारतीय बीमा कंपनियों का रजिस्ट्रीकरण) विनियम, 2000 के विनियम 2(ज) में दिया गया है और बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (ग्रामीण और सामाजिक सेक्टर के बीमाकर्ताओं के दायित्व) विनियम, 2000 में परिभाषित है	15% से अन्यून,
(ख) अन्य, विनियम 5 में विनिर्दिष्ट अभिदर्शन/प्रज्ञावान मानकों द्वारा शासित होंगे	20% से अनधिक;
(iv) अनुमोदित विनिधानों से भिन्न विनिधान विनियम 5 में विनिर्दिष्ट अभिदर्शन/ प्रज्ञावान मानकों द्वारा शासित होंगे	15% से अनधिक;

(2) पेन्शन और साधारण वार्षिकी कारबार : प्रत्येक बीमाकर्ता पेन्शन कारबार, साधारण वार्षिकी कारबार और सामूहिक कारबार की आस्तियों का निम्नलिखित रीति में विनिधान करेगा और सभी समयों पर विनिधान को कायम रखेगा :-

क्र.सं. विनिधान का प्रकार	प्रतिशतता
(i) सरकारी प्रतिभूतियां	जो 20% से कम न हो;
(ii) सरकारी प्रतिभूतियां या अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां, जिनमें उपर्युक्त (i) सम्मिलित हैं	जो 40% से कम न हो;
(iii) अतिशेष, अनुसूची 1 में यथाविनिर्दिष्ट अनुमोदित विनिधानों में विनिहित किया जाएगा और विनियम 5 में विनिर्दिष्ट अभिदर्शन/ प्रज्ञावान मानकों द्वारा शासित होगा।	60% से अनधिक

टिप्पण: इस उपविनियम के प्रयोजनों के लिए :-

- (क) कोई भी अनुमोदित विनिधान नहीं किए जाएंगे।
- (ख) सभी विनिधान श्रेणीबद्ध प्रतिभूतियों में किए जाएंगे और श्रेणीकरण किसी ख्यात और स्वतंत्र रेटिंग अभिकरण द्वारा "बहुत सशक्त" रेटिंग (उदाहरणार्थ, स्टैंडर्ड एंड पुअर का एए) से कम नहीं होगा।
- (ग) प्रत्येक बीमाकर्ता ऐसी प्रतिभूतियों में आस्तियों का विनिधान करेगा, जिनका किसी भी भारतीय शेयर बाजार (स्टॉक एक्सचेंज) में सक्रिय रूप से व्यापार किया जाता है और जो सहबद्ध कारबार के संबंध में पृथक्कृत निधियां मानी जाती हैं।

4. विनिधानों का विनियमन

(1) साधारण कारबार : अधिनियम की धारा 27 या 27ख पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, साधारण बीमा कारबार करने वाला प्रत्येक बीमाकर्ता, नीचे दी गई रीति में अपनी कुल आस्तियों का विनिधान करेगा और सभी समयों पर विनिधान कायम रखेगा:-

क्र.सं. विनिधान का प्रकार	प्रतिशतता
(i) केन्द्रीय सरकार की प्रतिभूतियां	जो 20% से अन्यून न हों,
(ii) राज्य सरकार की प्रतिभूतियां और अन्य प्रत्याभूत प्रतिभूतियां, जिनके अन्तर्गत उपर्युक्त (i) सम्मिलित हैं,	जो 30% से अन्यून न हो,
(iii) आवासन तथा राज्य सरकार को आवासन और अग्निशमन उपस्कर के लिए उधार	जो 5% से अन्यून न हो
(iv) अनुसूची 2 में यथाविनिर्दिष्ट अनुमोदित विनिधान	
(क) अवसंरचना और सामाजिक सेक्टर स्पष्टीकरण : इस अपेक्षा के प्रयोजन के लिए, अवसंरचना और सामाजिक सेक्टर का क्रमशः वही अर्थ होगा, जो उनका बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (भारतीय बीमा कंपनियों का रजिस्ट्रीकरण) विनियम, 2000 के विनियम 2(ज) में दिया गया है और बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (ग्रामीण और सामाजिक सेक्टर के बीमाकर्ताओं के दायित्व) विनियम, 2000 में परिभाषित है	10% से अन्यून
(ख) अन्य, विनियम 5 में विनिर्दिष्ट अभिदर्शन/प्रज्ञावान मानकों द्वारा शासित होंगे	30% से अनधिक
(v) अनुमोदित विनिधानों से भिन्न विनियम 5 में विनिर्दिष्ट अभिदर्शन/प्रज्ञावान मानकों द्वारा शासित होंगे	25% से अनधिक

टिप्पण: सभी विनिधान श्रेणीबद्ध प्रतिभूतियों में किए जाएंगे और श्रेणीकरण किसी ख्यात और स्वतंत्र रेटिंग अभिकरण द्वारा "बहुत मजबूत रेटिंग" (उदाहरणार्थ, स्टैंडर्ड एंड पुअर का एए) से कम नहीं होगा।

(2) पुनर्बीमा कारबार : भारत में पुनर्बीमा कारबार करने वाला प्रत्येक पुनर्बीमाकर्ता उपविनियम (1) में दिए गए अनुसार उसी रीति में अपनी कुल आस्तियों का विनिधान करेगा और सभी समयों पर तब तक विनिधान कायम रखेगा, जब तक प्राधिकरण द्वारा इस निमित्त पृथक् विनियम नहीं बनाए जाते हैं।

5. अभिदर्शन/प्रज्ञावान मानक

अधिनियम की धारा 27क और 27ख में अन्तर्विष्ट किसी बात पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, प्रत्येक बीमाकर्ता निम्नलिखित अभिदर्शन मानकों पर आधारित अपने विनिधानों को सीमित रखेगा :-

(अ) अभिदर्शन मानक

विनिधान का प्रकार	विनिधाता कंपनी के लिए सीमा	उस पूर्ण समूह के लिए सीमा, जिससे विनिधाता कंपनी संबंधित है	उस उद्योग सेक्टर के लिए सीमा, जिससे विनिधाता कंपनी संबंधित है
(क) साधारण/अधिमानी शेयर/अंकित मूल्य पर डिबेन्चरों का संपरिवर्तनीय भाग	(i) किसी भी तारीख को कुल नियोजित* पूंजी के 20% से अनधिक।	(i) किसी भी तारीख को कंपनियों के समूह की नियोजित* पूंजी के 15% से अनधिक।	ऐसी सभी कंपनियों में कुल नियोजित* पूंजी के 15% से अनधिक।
(ख) डिबेन्चरों—(अंकित मूल्य) जिनके अन्तर्गत प्राइवेट में निक्षिप्त गैर संपरिवर्तनीय डिबेन्चर और संपरिवर्तनीय डिबेन्चरों का गैर संपरिवर्तनीय भाग।			
(ग) अल्प/मध्यम/दीर्घकालिक उधार और कोई अन्य प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता	(ii) वर्ष के दौरान निधियों की अनुमानित वार्षिक अनुवृद्धि के 5% से अनधिक	(ii) वर्ष के दौरान निधियों की अनुमानित वार्षिक अनुवृद्धि के 10% से अनधिक।	

*कुल नियोजित पूंजी से विनिधाता कंपनी के अंतिम संपरीक्षित तुलन पत्र के साधारण शेयरों, अधिमानी शेयरों, डिबेन्चरों, दीर्घ/मध्यम/अल्पकालीन उधारों (लोक निक्षेपों को छोड़कर), खली आरक्षियों का, किन्तु पुनर्मूल्यांकन आरक्षियों को छोड़कर, कुल अभिप्रेत है।

आ) लोक वित्तीय संस्थाओं में विनिधान के लिए अभिदर्शन मानक

साधारण शेयर और अधिमानी शेयर (उनके अंकित मूल्य पर)।	साधारणतः संस्था की समादत्त साधारण/अधिमानी पूंजी के 15% से अनधिक या यदि उच्चतर है तो विद्यमान धृति % स्तर।
साधारण पूंजी बंधपत्रों, डिबेन्चरों, कालिक उधारों में विनिधान।	अंतिम संपरीक्षित तुलन पत्र के अनुसार किसी संस्था द्वारा नियोजित पूंजी के 10% से अनधिक।
कंपनी के शुद्ध मूल्य के मुकाबले में कुल विनिधान	संस्था के शुद्ध मूल्य के 60% से अनधिक।
किसी वित्तीय वर्ष में कुल विनिधान	वार्षिक अनुवृद्धि का 7.5%।
सभी वित्तीय संस्थाओं में कुल विनिधान	किसी एकल वर्ष में कुल मिलाकर सभी विकास वित्तीय संस्थाओं को वार्षिक सकल वित्तीय सहायता उस वर्ष की अनुमानित वार्षिक अनुवृद्धियों के 20% से अधिक नहीं होगी।

इ) प्रज्ञावान मानक

विभिन्न लिखतों के लिए प्रज्ञावान मानक निम्नानुसार होंगे :-

i) डिबेन्चर :

पूर्णतः संपरिवर्तनीय डिबेन्चरों और भागतः संपरिवर्तनीय डिबेन्चरों के लिए मानक

विनिधान के विनिश्चय, संपरिवर्तन के परिणामस्वरूप प्राप्त होने वाले साधारण शेयरों की आकर्षकता से संबंधित हैं। निम्नलिखित कारणों पर भी सम्यक् विचार किया जाता है, अर्थात् :-

- (क) उक्त डिबेन्चरों में अभिदाय करते समय ब्याज की दर,
 (ख) मूल्यांकन, और
 (ग) साधारण शेयरों से प्राप्त होने वाली संभावित लाभांश आय।

यही धारणाएं उन गैर संपरिवर्तनीय डिबेन्चरों को भी लागू होती हैं, जिन से पृथक् करने योग्य संलग्न होते हैं।

**गैर संपरिवर्तनीय डिबेन्चरों और वारंट सहित गैर संपरिवर्तनीय
 डिबेन्चरों के लिए मानक**

1. पात्रता रकम	
(क) कामकाज पूंजी डिबेन्चर	चालू आस्तियों, उधारों और अग्रिम का 20% घटाइए विद्यमान कामकाज पूंजी गैर संपरिवर्तनीय डिबेन्चरों की रकम का बकाया।
(ख) परियोजना वित्त	विनिधान समिति द्वारा यथा मूल्यांकित
(ग) सामान्य पूंजी व्यय	विनिधान समिति द्वारा यथा निर्धारित

आस्ति कवर (अनुसूची 3 में यथा विनिर्दिष्ट) :

1.25 गुणा के न्यूनतम के साथ, जिसमें प्रस्तावित उधार भी सम्मिलित हैं (आस्तियों का पुनर्मूल्यांकन सम्मिलित नहीं है), प्रतिभूति के रूप में प्रस्थापित कंपनी की स्थिर आस्तियों पर उनकी मात्रा के अनुसार प्रथम भार।

ऋण साधारण अनुपात (अनुसूची 3 में यथा विनिर्दिष्ट) :

2:1 से अधिक नहीं होगा, जिसमें प्रस्तावित गैर संपरिवर्तनीय डिबेन्चर निर्गम सम्मिलित है। किन्तु पूंजी गहन परियोजना डिबेन्चर के मामले में 4:1 तक के उच्चतर अनुपात पर विचार किया जा सकेगा।

ब्याज कवर (अनुसूची 3 में यथा विनिर्दिष्ट) :

सब से पश्चात् के वर्ष के लिए दुगुने से कम नहीं होगा या लागू दर पर प्रस्तावित डिबेन्चरों पर ब्याज को सम्मिलित करने के पश्चात् ठीक पूर्ववर्ती तीन वर्षों की औसत के आधार पर होगा।

लाभांश संदाय :

ठीक पूर्ववर्ती तीन वर्षों में से, जिनमें सब से पश्चात् का वर्ष सम्मिलित है, दो वर्षों के प्रत्येक में 10% का न्यूनतम लाभांश दिया जाएगा।

(ii) गैर बैंककारी कंपनियों के पास सावधि निक्षेप और उधार

निगमित सेक्टर की कामकाज पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से बीमाकर्ता को निक्षेप करने की आवश्यकता है। निक्षेप करने के बारे में कंपनियों की कार्यकुशलता के दायरों के वित्तीय और गैर-वित्तीय पहलुओं का मूल्यांकन करने के पश्चात् विनिश्चय किया जाना है। विश्लेषण में वित्तीय स्थिति के अध्ययन, कारबार संबंधी पूर्व विवरण और अन्य लक्षण, जैसे कि प्रबंध की क्वालिटी, भावी संभावनाएं और कंपनी के उत्पादों के लिए बाजार संभावना को सम्मिलित करने की आवश्यकता है। उधार लेने वाले की साख रेटिंग उस स्थिति में एक समान रूप से बनी रहनी चाहिए, जो बहुत मजबूत वित्तीय स्थिति की सूचक हो और जो स्टैंडर्ड एंड पुअर की ए ए रेटिंग से या किसी अन्य ख्यात और स्वतंत्र रेटिंग अधिकरण की समतुल्य रेटिंग से कम न हो।

अल्प कालावधि निक्षेप की अधिकतम रकम, जो किसी कंपनी के पास निक्षिप्त की जा सकेगी, दो करोड़ रुपए या शुद्ध मूल्य के 10% तक, जो भी कम हो, निर्बंधित है।

सावधि उधारों के निक्षेप के लिए विभिन्न मानक/पैरामीटर निम्नानुसार हैं :-

विशिष्टियां	सीमाएं
शुद्ध मूल्य के % के रूप में अप्रतिभूत उधार।	शुद्ध मूल्य के, जिसके अन्तर्गत प्रस्तावित उधार भी है, 25% से अधिक न हो और जो उधार लेने वाली कंपनी का शुद्ध मूल्य, 15 करोड़ रुपए से अन्यून होने के अधीन होगा।
ब्याज कवर	कम से कम 2.5 गुणा, जिसके अन्तर्गत प्रस्तावित उधारों पर ब्याज भी है।
ऋण/साधारण अनुपात	2:1 से अधिक न हो।
चालू अनुपात	1.33:1 से अन्यून
लाभांश अभिलेख	पिछले 5 वर्षों के लिए कम से कम 10% या 5 वर्षों में से 3 वर्षों के लिए 15% और उससे अधिक
सूचीबद्धता	कंपनी के साधारण शेयर किसी भी मान्यताप्राप्त शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने और उनकी कीमत, उधार के मंजूर करने की तारीख के पूर्व कम से कम 12 मास तक सम मूल्य के ऊपर लगातार कोट की गई होनी चाहिए।
सांपार्श्विक प्रतिभूति	चैक मूलधन और ब्याज की रकम के लिए अभिप्राप्त किए जाएंगे। संप्रवर्तकों की व्यक्तिगत प्रत्याभूति ली जा सकेगी और शेयरों को गिरवी रखा जा सकेगा।

(iii) अवसंरचना और सामाजिक सेक्टर :

किसी कंपनी से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा हाथ में लिए गए अवसंरचना और सामाजिक सेक्टर में परियोजनाओं/संकर्मों की दशा में ऊपर सारणी में उपदर्शित मानकों को लागू होने के विस्तार तक पूरा करना होगा।

(iv) अधिमानी शेयरों में अभिदाय के संबंध में मार्गदर्शक सिद्धान्त :

- (क) कंपनियां, जिन के अधिमानी शेयर विनिधान के लिए चयन किए गए हैं, उनकी वित्तीय स्थिति मजबूत और आय अर्जित करने की सामर्थ्य दृढ़ होनी चाहिए।
- (ख) अधिमानी शेयरों पर संदेय लाभांश संचयी होना चाहिए।
- (ग) अधिमानी शेयर मोचनीय होंगे।
- (घ) प्रस्तावित निर्गम के पश्चात् अधिमानी पूंजी, साधारण पूंजी के 100% से अधिक नहीं होगी।
- (ङ.) लाभांश, ठीक पूर्ववर्ती तीन वर्षों में से दो वर्षों के लिए साधारण शेयरों पर संदत्त किया जाना चाहिए था।
- (च) अधिमानी लाभांश 3 वर्षों के लिए या 4 या 5 वर्षों में से, जिनके अन्तर्गत सब से पश्चात् के 2 वर्ष भी हैं यदि अधिमानी शेयर पूर्वतर निर्गमित हैं, 3 वर्षों के लिए संदत्त किया जाना चाहिए था।
- (छ) लाभांश संदाय न करने वाले अधिमानी शेयरों पर, विनिधान के लिए विचार नहीं किया जाना चाहिए।
- (ज) अंतिम 3 से 5 वर्षों के औसत लाभ के आधार पर लाभांश कवर 3 गुणा होना चाहिए।

6. बीमाकर्ता द्वारा विवरणियां प्रस्तुत करना :

प्रत्येक बीमाकर्ता, प्राधिकरण को निम्नलिखित विवरणियां, ऐसे समय के भीतर, ऐसे अन्तरालों पर और ऐसी रीति में सत्यापित/प्रमाणित, जो उनके सामने उपदर्शित हैं, प्रस्तुत करेगा। ये विवरणियां, उन विवरणियों के अतिरिक्त होंगी, जो बीमा नियम, 1939 में विहित हैं।

क्र.सं.	प्ररूप सं., जो इन विनियमों से उपाबद्ध है	संक्षिप्त वर्णन	विवरणियों की कालिकत:	प्रस्तुत करने के लिए समय सीमा	के द्वारा सत्यापित/ प्रमाणित
1.	प्ररूप 1	विनिधान का विवरण और विनिधान पर आय	वार्षिक	संपरीक्षित लेखा के बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तारीख से 30 दिन के भीतर।	प्रधान अधिकारी/ मुख्य (विनिधान)
2.	प्ररूप 2	निम्न श्रेणीकृत विनिधानों का विवरण	त्रैमासिक	प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के 21 दिन के भीतर।	प्रधान अधिकारी/ मुख्य (विनिधान)
3.	प्ररूप 3क	नियंत्रित निधि (जीवन) के विनिधान का विवरण— अनुपालन रिपोर्ट	त्रैमासिक	प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के 21 दिन के भीतर।	प्रधान अधिकारी/ मुख्य (विनिधान)
4.	प्ररूप 3ख	आस्तियों (साधारण) के विनिधान का विवरण— अनुपालन रिपोर्ट।	त्रैमासिक	प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के 21 दिन के भीतर।	प्रधान अधिकारी/ मुख्य (विनिधान)
5.	प्ररूप 4	प्रज्ञावान विनिधान मानक— अनुपालन रिपोर्ट।	वार्षिक	संपरीक्षित लेखा के बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तारीख से 30 दिन के भीतर।	प्रधान अधिकारी/ मुख्य (विनिधान)

प्राधिकरण, किसी साधारण या विशेष आदेश द्वारा उपर्युक्त से संबंधित किसी अपेक्षा को उपान्तरित या शिथिल कर सकेगा।

7. अतिरिक्त जानकारी मांगने की शक्ति :

प्राधिकरण, साधारण या विशेष आदेश द्वारा बीमाकर्ता से ऐसी रीति, अवसलों और समय-सीमा के भीतर ऐसी अन्य जानकारी की, जो उस में विनिर्दिष्ट की जाए, अपेक्षा कर सकेगा।

8. विनिधान पोर्टफोलियो को प्रभावित करने वाली असाधारण घटनाओं को रिपोर्ट करने का कर्तव्य :

प्रत्येक बीमाकर्ता प्राधिकरण को उसकी जानकारी में आने वाली ऐसी किसी घटना के प्रभाव या संभावित प्रभाव की तत्काल रिपोर्ट करेगा, जो उसके द्वारा धारित विनिधान पोर्टफोलियो पर प्रतिकूल असर डाल सकता है।

9. विनिधान समिति का गठन :

प्रत्येक बीमाकर्ता एक ऐसी विनिधान समिति का गठन करेगा, जिसमें कम से कम बीमाकर्ता के दो गैर कार्यकारी निदेशक, प्रधान अधिकारी, वित्त और विनिधान प्रभागों के मुख्य और जहां कहीं नियत बीमांकक उपस्थित है, वहां नियत बीमांकक। विनिधान समिति द्वारा किए विनिश्चय उचित रूप में अभिलिखित किए जाएंगे और प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा निरीक्षण के लिए खुले रहेंगे।

10. प्रकीर्ण :

(1) आस्तियों का मूल्यांकन और विनिधानों का लेखा बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (बीमा कंपनियों के वित्तीय विवरणों और संपरीक्षक की रिपोर्ट का तैयार करना) विनियम, 2000 के अनुसार होगा।

(2) प्राधिकरण, साधारण या विशेष आदेश द्वारा विनियम 5 से संबंधित अपेक्षा को उपान्तरित या शिथिल कर सकेगा।

अनुसूची 1

(विनियम 3 देखें)

जीवन कारबार के लिए अनुमोदित विनिधानों की सूची

अधिनियम की धारा 27क के प्रयोजन के लिए "अनुमोदित विनिधान निम्नलिखित होंगे :-

(क) निम्नलिखित को छोड़कर, अधिनियम की धारा 27क में विनिर्दिष्ट सभी अनुमोदित विनिधान—

(i) अधिनियम की धारा 27क की उपधारा (1) का खंड (ख);

(ii) अधिनियम की धारा 27क की उपधारा (1) के खंड (ड) में कथित अन्य देश में स्थित स्थावर संपत्ति संबंधी प्रथम बंधक।

(iii) अधिनियम की धारा 27क की उपधारा (1) के खंड (ढ) में कथित अन्य देश में स्थित स्थावर संपत्ति।

इसके अतिरिक्त, प्राधिकरण अधिनियम की धारा 27क की उपधारा (1) के खंड (ध) द्वारा दी गई शक्तियों के अधीन निम्नलिखित विनिधानों को अनुमोदित विनिधान घोषित करता है :-

(ख) किसी ख्यात और स्वतंत्र रेटिंग अभिकरण (उदाहरणार्थ, स्टैंडर्ड एंड पूअर का ए ए) द्वारा "बहुत मजबूत" या उससे अधिक के रूप में प्रमाणित सभी प्रतिभूत उधार, निक्षेप, डिबेन्चर, बंधपत्र, अन्य ऋण विनिधान और अधिमानी शेयर;

(ग) बैंकों के पास निक्षेप (उदाहरणार्थ, चालू खातों, मांग निक्षेपों, सूचना निक्षेपों, कालिक निक्षेपों, निक्षेपों के पत्रों, आदि में) और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मान्यताप्राप्त और भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की दूसरी अनुसूची में तत्समय सम्मिलित प्राथमिक व्यौहारी के पास निक्षेप;

(घ) किसी ऐसी कंपनी द्वारा निर्गमित ऋणियक पत्र, जिसके पास किसी ख्यात और स्वतंत्र रेटिंग अभिकरण (उदाहरणार्थ, स्टैंडर्ड एंड पूअर का ए ए) द्वारा "बहुत मजबूत" या उससे अधिक रेटिंग है;

(ङ.) ऐसी कंपनियों/संगठनों की उद्यम पूंजी निधियों में विनिधान, जिनका कारबार संबंधी पूर्व विवरण प्रमाणित है और जिन्हें किसी ख्यात और स्वतंत्र रेटिंग अभिकरण (उदाहरणार्थ, स्टैंडर्ड एंड पूअर का ए ए) द्वारा "बहुत मजबूत" या उससे अधिक प्रमाणित किया गया है।

स्पष्टीकरण : इस प्रयोजन के लिए, प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों के पास शेयरों या डिबेन्चरों या अल्प या मध्यम या दीर्घ कालिक उधारों या निक्षेपों में कोई विनिधान "अनुमोदित विनिधान" के रूप में नहीं माना जाएगा।

अनुसूची 2

(विनियम 4 देखें)

साधारण कारबार के लिए अनुमोदित विनिधानों की सूची

अधिनियम की धारा 27ख के प्रयोजन के लिए "अनुमोदित विनिधान" निम्नलिखित होंगे :-

(क) निम्नलिखित को छोड़कर, अधिनियम की धारा 27ख में विनिर्दिष्ट सभी अनुमोदित विनिधान—

(i) अधिनियम की धारा 27क की उपधारा (1) का खंड (ख);

(ii) अधिनियम की धारा 27क की उपधारा (1) के खंड (ढ) में कथित अन्य देश में स्थित स्थावर संपत्ति;

(iii) अधिनियम की धारा 27ख की उपधारा (1) के खंड (झ) में कथित अन्य देश में स्थित स्थावर संपत्ति संबंधी प्रथम बंधक;

इसके अतिरिक्त, प्राधिकरण अधिनियम की धारा 27ख की उपधारा (1) के खंड (अ) द्वारा दी गई शक्तियों के अधीन निम्नलिखित विनिधानों को अनुमोदित विनिधानों के रूप में घोषित करता है :-

(ख) किसी ख्यात और स्वतंत्र रेटिंग अभिकरण (उदाहरणार्थ, स्टैंडर्ड एंड पुअर का ए ए) द्वारा "बहुत मजबूत" या उससे अधिक के रूप में प्रमाणित सभी प्रतिभूत उधार, निक्षेप, डिबेन्चर, बंधपत्र, अन्य ऋण विनिधान और अधिमानी शेयर;

(ग) आवासन और अग्निशमन उपस्कर के लिए राज्य सरकार को उधार;

(घ) बैंकों के पास निक्षेप (उदाहरणार्थ, चालू खातों, मांग निक्षेपों, सूचना निक्षेपों, कालिक निक्षेपों, निक्षेप पत्रों, आदि में) और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मान्यताप्राप्त और भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की दूसरी अनुसूची में तत्समय सम्मिलित प्राथमिक व्यापारी के पास निक्षेप;

(ङ) किसी ऐसी कंपनी द्वारा निर्गमित वाणिज्यिक पत्र, जिसके पास किसी ख्यात और स्वतंत्र रेटिंग अभिकरण द्वारा (उदाहरणार्थ, स्टैंडर्ड एंड पुअर का ए ए) "बहुत मजबूत" या उससे अधिक रेटिंग है;

(च) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्गमित खजाना हुंडियां, भारतीय रिजर्व बैंक के अन्तर बैंक रिपो और पुनः मितिकोट पर दिए गए विनियम पत्र;

(छ) ऐसी कंपनियों/संगठनों की उद्यम पूंजी निधियों में विनिधान, जिनका कारबार संबंधी पूर्व-विवरण प्रमाणित है और जिन्हें किसी ख्यात और स्वतंत्र रेटिंग अभिकरण (उदाहरणार्थ, स्टैंडर्ड एंड पुअर का ए ए) द्वारा "बहुत मजबूत" या उससे अधिक प्रमाणित किया गया है।

स्पष्टीकरण : इस प्रयोजन के लिए प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों के पास शेयरों या डिबेन्चरों या अल्प या मध्यम या दीर्घ कालिक उधारों या निक्षेपों में कोई विनिधान "अनुमोदित विनिधान" के रूप में नहीं माना जाएगा।

अनुसूची 3

(विनियम 5 देखें)

आस्ति कवर :

आस्ति कवर, स्थिर आस्तियों और प्रतिभूत आस्तियों के बीच संबंध दर्शित करता है। इसकी गणना प्रतिभूत आस्तियों द्वारा स्थिर आस्तियों को विभाजित करके की जाती है। कार्यकरण के ब्यौरे निम्नलिखित हैं :-

स्थिर आस्तियां	
स्थिर आस्तियों का शुद्ध ब्लॉक	
जोड़िए : प्रगति पर पूंजी संकर्म	
घटाइए : पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियां	
घटाइए : गुडविल	
घटाइए : अनुपलब्ध आस्तियां, अर्थात् अनन्यतः प्रभारित आस्तियां	
वाहन, पट्टाधृत आस्तियां, आदि	
योग (क)	
प्रतिभूत उधार	
प्रथम भार डिबेन्चर	
आस्थगित संदाय प्रत्याभूति (यदि आस्तियां अनन्यतः भारित नहीं हैं)	
प्रस्तावित उधार	
योग (ख)	
आस्ति कवर (क/ख)	

ऋण साधारण अनुपात :

स्वामी के अभिदाय के मुकाबले उधार देने वाले के अभिदाय को वर्णित करने वाला संबंध ऋण साधारण अनुपात होगा। इसकी शुद्ध मूल्य द्वारा दीर्घकालिक ऋण को विभाजित करके गणना की जाएगी। कार्यकरण ब्यौरे निम्नानुसार हैं :-

प्रथम भार डिबेन्चर (सकल ब्लॉक से अवक्षयण घटाइए)	
प्रतिभूत कालिक उधार	
आस्थगित संदाय प्रत्याभूति	
द्वितीय भार डिबेन्चर	
विद्यमान संपरिवर्तनीय डिबेन्चरों का गैर संपरिवर्तनीय भाग	
प्रस्तावित संपरिवर्तनीय डिबेन्चरों का गैर संपरिवर्तनीय भाग	
अप्रतिभूत कालिक उधार	
प्रस्तावित उधार	
ऋण (क)	
साधारण शेयर पूंजी	
अधिमानी शेयर पूंजी	
खुली आरक्षितियां	
विद्यमान संपरिवर्तनीय डिबेन्चरों का संपरिवर्तनीय भाग	
प्रस्तावित संपरिवर्तनीय डिबेन्चरों का संपरिवर्तनीय भाग	
योग	
घटाइए : प्रकीर्ण व्यय	
शुद्ध मूल्य (ख)	
ऋण साधारण अनुपात (क/ख)	

ब्याज कवर :

ब्याज कवर यह दर्शित करता है कि कितनी बार निधियों द्वारा ब्याज भार कवर किए गए हैं और ये सामान्यतः संदाय के लिए उपलब्ध होते हैं। इसकी गणना, ब्याज भारों द्वारा अवक्षयण, ब्याज और कर को विभाजित करने के पूर्व लाभ को विभाजित करके की जाएगी। कार्यकरण के ब्यौरे निम्नानुसार हैं :-

कर के पूर्व लाभ	
जोड़िए : अवक्षयण	
जोड़िए : वित्तीय प्रभार	
जोड़िए : अनावर्ती व्यय	
घटाइए : अनावर्ती आय	
पी बी डी आई टी (क)	
विद्यमान वित्तीय प्रभार	
जोड़िए : प्रस्तावित उधारों पर ब्याज	
वित्तीय प्रभार (ख)	
ब्याज कवर (क/ख)	

पूरा नाम और पदाभिधान

प्ररूप 3क

कंपनी का नाम और कोड
विवरण की तारीख

नियंत्रित निधियों के विनिधान का विवरण-अनुपालन रिपोर्ट त्रैमासिक रूप में प्रस्तुत की जाएगी

जीवन कारबार

क्रम सं.	विनिधान का प्रकार	नियंत्रित निधि का विनिधान			बाजार मूल्य या वसूली योग्य मूल्य
		प्रतिशतता	विनियमों के अनुसार विनिहित रकम	वास्तविक %	
(i)	सरकारी प्रतिभूतियां	25%			
(ii)	सरकारी प्रतिभूतियां या अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां (जिनके अन्तर्गत उपर्युक्त (i) भी है)	50% से अन्यून			
(iii)	"अनुमोदित विनिधानों" में विनिधान-				
(क)	अवसंरचना और सामाजिक सेक्टर	15% से अन्यून			
(ख)	अन्य	20% से अनधिक			
(iv)	"अनुमोदित विनिधानों से भिन्न"	15% से अनधिक			
	कुल विनिधान	100%			

आस्तियों के विनिधान का विवरण-अनुपालन रिपोर्ट त्रैमासिक रूप में प्रस्तुत की जाएगी

पेंशन कारबार, साधारण वार्षिकी कारबार और सामूहिक कारबार

क्रम सं.	विनिधान का प्रकार	प्रतिशतता	आस्तियों का विनिधान			बाजार मूल्य या वसूली योग्य मूल्य
			विनियमों के अनुसार विनिहित रकम	वास्तविक %		
(i)	सरकारी प्रतिभूतियां	जो 20% से अन्यून हो				
(ii)	सरकारी प्रतिभूतियां या अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	जो 40% से अन्यून हो				
(iii)	अतिशेष विनिधान "अनुमोदित विनिधानों" में विनिहित किए जाएंगे	जो 60% से अनधिक हो				
	कुल विनिधान	100%				

प्रमाणन

प्रमाणित किया जाता है कि इसमें दी गई जानकारी भरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है और इसमें कोई बात छिपाई नहीं गई है।

तारीख

हस्ताक्षर :

पूरा नाम और पदाभिधान

प्ररूप ५ख

कंपनी का नाम और कोड

विवरण की तारीख

कुल आस्तियों के विनिधान का विवरण—अनुपालन रिपोर्ट त्रैमासिक रूप में प्रस्तुत की जाएगी

साधारण कारबार

क्रम सं.	विनिधान का प्रकार	प्रतिस्वता	कुल आस्तियों का विनिधान		
			विनियमों के अनुसार विनिहित रकम	वास्तविक %	बाजार मूल्य या वसूली योग्य मूल्य
(i)	केन्द्रीय सरकार की प्रतिभूतियां	जो 20% से अन्यून हो			
(ii)	राज्य सरकार की प्रतिभूतियां और अन्य प्रत्याभूत प्रतिभूतियां (जिनमें उपर्युक्त (क) सम्मिलित हैं)	जो 30% से अन्यून हो			
(iii)	आवासन तथा राज्य सरकार को आवासन और अग्निशमन के लिए उधार	जो 5% से अन्यून हो			
(iv)	"अनुमोदित विनिधान"				
(क)	अवसंरचना और सामाजिक सेक्टर	10% से अन्यून			
(ख)	अन्य	30% से अनधिक			
(v)	"अनुमोदित विनिधानों से भिन्न"	25% से अनधिक			
	कुल विनिधान	100%			

प्रमाण

प्रमाणित किया जाता है कि इसमें दो गड़ जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है और इसमें कोई बात छिपाई नहीं गई है।

तारीख

हस्ताक्षर :

पूरा नाम और पदविधान

प्ररूप 4

कंपनी का नाम और कोड

विवरण की तारीख

अभिलेख/प्रज्ञापन मानक-अनुपालन रिपोर्ट वार्षिक रूप में प्रस्तुत की जाएगी

अभिलेख मानक

क्रम सं.		विनियमों के अनुसार मानक	क्या अभिलेख मानकों का पालन किया गया है या नहीं	टिप्पणियाँ
I.	विनिधाता कंपनी के लिए सीमा-			
(i)	उसी तारीख को	कुल नियोजित पूंजी के 20% से अधिक		
(ii)	वर्ष के दौरान	निधियों की अनुमानित वार्षिक अभिवृद्धि के 5% से अधिक		
II.	उस समस्त समूह के लिए सीमा, जिससे विनिधाता कंपनी संबंधित है-			
(i)	उसी तारीख को	समूह कंपनियों की कुल नियोजित पूंजी के 15% से अधिक		
(ii)	वर्ष के दौरान	निधियों की अनुमानित वार्षिक अभिवृद्धि के 10% से अधिक		
III.	उस उद्योग सेक्टर के लिए सीमा, जिससे विनिधाता कंपनी संबंधित है	समूह कंपनियों की कुल नियोजित पूंजी के 15% से अधिक		
	लेख वित्तीय संस्थाओं में विनिधान के मानक-			
	साधारण शेयर और अधिमानी शेयर (उनके अंकित मूल्य पर)	साधारणतः, संस्था की सभादत्त साधारण अधिमानी पूंजी के 15% से अधिक		
	साधारण पूंजी, बंधपत्रों, डिबेन्चरों, कालिक उधारों में विनिधान	अंतिम तुलनपत्र के अनुसार किसी संस्था द्वारा नियोजित पूंजी के 10% से अधिक		
	कंपनी के शुद्ध मूल्य के मुकाबले कुल विनिधान	संस्था के शुद्ध मूल्य के 60% से अधिक		
	वित्तीय वर्ष में कुल विनिधान	वार्षिक अभिवृद्धियों का 7.5%		
	सभी वित्तीय संस्थाओं में कुल विनिधान	किसी एकल वर्ष में कुल मिश्रकर सभी विकास वित्तीय संस्थाओं की वार्षिक सकल वित्तीय सहायता उस वर्ष के लिए अनुमानित वार्षिक अभिवृद्धियों के 20% से अधिक नहीं होगी।		

प्रज्ञावान मानक

क्रम सं.	लिखतें	क्या प्रज्ञावान मानकों का विनिधान करते समय ध्यान किया गया है	टिप्पणियां
(i)	डिबेन्वर		
(क)	पूर्णतः संपरिवर्तनीय डिबेन्वरों और भागतः संपरिवर्तनीय डिबेन्वरों के लिए मानक		
(ख)	गैर संपरिवर्तनीय डिबेन्वरों और वारंट संलग्न परिवर्तनीय डिबेन्वरों के लिए मानक		
(ii)	गैर बैंककारी कंपनियों के पास कालिक निक्षेप और उधार		
(iii)	अवसंरचना और सामाजिक सेक्टर		
(iv)	अधिमानी श्रेयों में अभिदाय संबंधी मार्गदर्शक सिद्धान्त		

प्रमाणन

प्रमाणित किया जाता है कि इसमें दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है और इसमें कोई बात छिपाई नहीं गई है।

तारीख

हस्ताक्षर :

पूरु नाम और पदविधान

एन० रंगाचारी, अध्यक्ष

[विज्ञापन/3/4असा./161/2000]

INSURANCE REGULATORY AND DEVELOPMENT AUTHORITY**NOTIFICATION**

New Delhi, the 14th August, 2000

Insurance Regulatory and Development Authority (Investment) Regulations, 2000

F. No. IRDA/Reg./8/2000.—In exercise of the powers conferred by Sections 27A, 27B, 27D and 114A of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938), the Authority in consultation with the Insurance Advisory Committee, hereby makes the following regulations, namely :

1. Short title and commencement

- (1) These regulations may be called the Insurance Regulatory and Development Authority (Investment) Regulations, 2000.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions – In these regulations, unless the context otherwise requires, -

- a) 'Act' means the Insurance Act, 1938 (4 of 1938).
- b) 'Accretion of funds' means investment income, gains on sale/ redemption of existing investment and operating surplus.
- c) 'Authority' means the Insurance Regulatory and Development Authority established under sub-section (1) of Section 3 of the Insurance Regulatory and Development Authority Act, 1999 (41 of 1999).
- d) 'Principal Officer' means any person connected with the management of an insurer or any other person upon whom the Authority has served notice of its intention of treating him as the principal officer thereof.
- e) All words and expressions used herein and not defined but defined in the Insurance Act, 1938 (4 of 1938), or in the Insurance Regulatory and Development Act, 1999 (41 of 1999), or in any Rules or Regulations made thereunder, shall have the meanings respectively assigned to them in those Acts or Rules or Regulations.

3. Regulation of Investments

- (1) **Life Business:** Without prejudice to Section 27 or Section 27A of the Act, - Every insurer carrying on the business of life-insurance shall invest and at all times keep invested his controlled fund in the following manner:

S.No	Type of Investment	Percentage
i)	Government Securities	25%,
ii)	Government Securities or other approved securities (including (I) above)	Not less than 50%,
iii)	Approved Investments as specified in Schedule I	
a)	Infrastructure and Social Sector Explanation: For the purpose of this requirement, Infrastructure and Social Sector shall have the meaning as given in regulation 2(h) of Insurance Regulatory and Development Authority (Registration of Indian Insurance Companies) Regulations, 2000 and as defined in the Insurance Regulatory and Development Authority (Obligations of Insurers to Rural and Social Sector) Regulations, 2000 respectively	Not less than 15%
b)	Others to be governed by Exposure/ Prudential Norms specified in Regulation 5	Not exceeding 20%
iv)	Other than in Approved Investments to be governed by Exposure/ Prudential Norms specified in Regulation 5	Not exceeding 15%

- (2) **Pension and General Annuity Business:** Every insurer shall invest and at all times keep invested assets of Pension Business, General Annuity Business and Group Business in the following manner:-

S.No	Type of Investment	Percentage
i)	Government securities, being not less than	20%
ii)	Government Securities or other approved securities inclusive of (i) above, being not less than	40%
iii)	Balance to be invested in Approved Investments as specified in Schedule I and to be governed by Exposure/ Prudential Norms specified in Regulation 5	Not exceeding 60%

Note: For the purposes of this sub-regulation:

- No unapproved investments shall be made.
- All investments shall be made in graded securities and the grading shall not be less than of 'very strong' rating by a reputed and independent rating agency (e.g. AA of Standard and Poor).
- Every insurer shall invest assets in securities which are actively traded in any Stock Exchange in India and which are attributable to segregated funds, in respect of linked business.

4. Regulation of Investments

(1) **General Business:** Without prejudice to Section 27 or Section 27B of the Act, - Every insurer carrying on the business of general insurance shall invest and at all times keep invested his total assets in the manner set out below:

S.No	Type of Investment	Percentage
i)	Central Government Securities being not less than	20%
ii)	State Government securities and other Guaranteed securities including (i) above being not less than	30%
iii)	Housing and Loans to State Government for Housing and Fire Fighting equipment, being not less than	5%
iv)	Investments in Approved Investments as specified in Schedule II	
a)	Infrastructure and Social Sector Explanation: For the purpose of this requirement, Infrastructure and Social Sector shall have the meaning as given in regulation 2(h) of Insurance Regulatory and Development Authority (Registration of Indian Insurance Companies) Regulations, 2000 and as defined in the Insurance Regulatory and Development Authority (Obligations of Insurers to Rural and Social Sector) Regulations, 2000 respectively	Not less than 10%
b)	Others to be governed by Exposure/ Prudential Norms specified in Regulation 5	Not exceeding 30%
v)	Other than in Approved Investments to be governed by Exposure/ Prudential Norms specified in Regulation 5	Not exceeding 25%

Note:

All investments shall be made in graded securities and the grading shall not be less than of 'very strong' rating by a reputed and independent rating agency (e.g. AA of Standard and Poor).

(2) **Reinsurance Business:** Every reinsurer carrying on reinsurance business in India shall invest and at all times keep invested his total assets in the same manner as set out in sub-regulation (1), until such time separate regulations in this behalf are made by the Authority.

5. EXPOSURE/ PRUDENTIAL NORMS

Without prejudice to anything contained in Sections 27A and 27B of the Act, every insurer shall limit his investments based on the following exposure norms:

A) Exposure Norms

Type of Investment	Limit for Investee Company	Limit for the entire group to which the investee company belongs	Limit for the industry sector to which the investee company belongs
(a) Equity/ Preference Shares/ Convertible portion of Debentures at face value.	(i) As on any date Not exceeding 20% of the total capital employed*.	(i) As on any date Not exceeding 15% of the total capital employed* of the group companies.	Not exceeding 15% of the total capital employed* in all such companies.
(b) Debentures - (face value) including private placed NCD and Non convertible portion of Convertible Debentures.			
(c) Short/ Medium/ Long Term Loans and any other direct financial assistance.	(ii) During the year Not exceeding 5% of estimated annual accretion of funds.	(ii) During the year Not exceeding 10% of estimated annual accretion of funds.	

* Total capital employed means total of equity shares, preference shares, debentures, long/ medium/ short term loans (excluding public deposits), free reserves but excluding revaluation reserves, of the investee company as shown in its last audited balance sheet.

B) Exposure Norms for Investment in Public Financial Institutions

Equity Share and Preference Shares (at their face value).	Not exceeding 15% in general of the paid up equity/ preference capital of the institution or the existing holding % level, if higher.
Investment in Equity Capital, Bonds, Debentures, Term Loans.	Not exceeding 10% of the capital employed by an institution as per the last audited Balance Sheet.
Total Investment vis-à-vis Net Worth of the Company.	Not exceeding 60% of Net Worth of the institution.
Total Investment in a Financial Year.	7.5% of annual accretions.
Total Investments in all the Financial Institutions.	Annual aggregate financial assistance to all Development Financial Institutions put together in a single year shall not exceed 20% of the estimated annual accretions for the year.

C) Prudential Norms

The prudential norms for various instruments shall be as under:

i) Debentures:**Norms for Fully Convertible Debentures and Partly Convertible Debentures:**

Investment decisions are related to attractiveness of equity shares to be received as a result of conversion. Due consideration is also given to the factors, viz

- a) rate of interest at the time of subscription to said debentures,
- b) appreciation and
- c) dividend income likely to be received from the equity shares.

Similar considerations also apply for Non-Convertible (NC) Debentures with detachable warrants attached to it.

Norms for Non-Convertible Debentures and Non-Convertible Debentures with warrants attached:

1.	Eligibility Amount	
a)	Working Capital Debentures	20% of the current assets, loans and advance minus outstanding amount of existing working capital NC Debentures.
b)	Project Finance	As appraised by the Investment Committee
c)	Normal Capital Expenditure	As assessed by the Investment Committee

Asset Cover (as specified in Schedule III):

First *pari passu* charge on fixed assets of the company offered as security with a minimum of 1.25 times including proposed borrowings (excluding revaluation of assets).

Debt Equity Ratio (as specified in Schedule III):

Not to exceed 2:1 including the proposed NC Debenture issue. However, in case of capital intensive project debentures, higher ratio upto 4:1 may be considered.

Interest Cover (as specified in Schedule III):

Not less than 2 times for the latest year or on the basis of the average of the immediately preceding three years after including the interest on the proposed debentures at the applicable rate.

Dividend Pay-out:

Minimum dividend of 10% in each of the two years out of the immediately preceding three years including the latest year.

ii) Term Deposits and Loans with Non Banking Companies:

The insurer need to place the deposits with a view to cater to working capital needs of the corporate sector. The placement of the deposit are to be decided after evaluating financial and non-financial aspects of the performance parameters of the companies. The analysis need to include study of financial position, track record and other features such as quality of management, future prospects and market potential for the company's products. Credit rating of borrower should be uniformly maintained at a position which is indicative of a very strong financial position being not less than AA of Standard and Poor or equivalent rating of any other reputed and independent rating agency.

The maximum amount of Short Term Deposit that may be placed with any company is restricted to Rs 2 crores or 10% of net worth whichever is less.

The various norms/ parameters for the placement of term loans are as under:

Particulars	Limits
Unsecured borrowing as a % of net worth.	Not to exceed 25% of net worth including the proposed loan, subject to networth of the borrowing company being not less than Rs. 15 crores.
Interest Cover.	Atleast 2.5 times including interest on proposed loans.
Debt/ Equity Ratio.	Not to exceed 2:1.
Current Ratio.	Not less than 1.33:1.
Dividend Record.	Atleast 10% for the last 5 years or 15% and above for 3 out of 5 years.
Listing	Equity shares of the Company shall be listed on any recognised stock exchange and the price should continuously been quoting above par atleast for 12 months prior to the date of sanction of loan.
Collateral Security	Cheques shall be obtained for principal and interest amount. Personal guarantee of promoters and pledge of shares may be taken.

iii) Infrastructure and Social Sector:

In the case of projects/ works in the infrastructure and social sector undertaken by a person other than a company, the norms indicated in the table above shall have to be met to the extent applicable.

iv) Guidelines on subscription to Preference Shares:

- Companies whose preference shares are selected for investment should have sound financial position and steady income earning capacity.
- The dividend payable on the preference shares should be cumulative.
- The preference shares shall be redeemable.
- Preference capital after proposed issue shall not exceed 100% of equity capital.
- Dividend should have been paid on equity shares for two years out of immediately preceding three years.
- Preference dividend should have been paid for 3 years or 3 out of 4 or 5 years including latest 2 years if the preference shares are issued earlier.
- Non-dividend paying preference shares should not be considered for investment.
- Dividend cover on the basis of average profit of last 3 to 5 years should be 3 times.

6. Returns to be submitted by the Insurer:

Every insurer shall submit to the Authority the following returns within such time, at such intervals and verified / certified in such manner as indicated there against. These returns shall be in addition to those prescribed in Insurance Rules, 1939.

S.No	Form No as annexed to these regulations	Short description	Periodicity of returns	Time limit for submission	Verified/ Certified by
1	Form 1	Statement of investment and income on investment	Yearly	Within 30 days from the date of Board approval of audited accounts.	Principal Officer/ Chief (Investment)
2	Form 2	Statement of down graded investments.	Quarterly	Within 21 days of the end of each quarter.	Principal Officer/ Chief (Investment)
3	Form 3 A	Statement of Investment of Controlled Fund (Life) – Compliance Report	Quarterly	Within 21 days of the end of each quarter.	Principal Officer/ Chief (Investment)
4	Form 3 B	Statement of Investment of Total Assets (General) – Compliance Report	Quarterly	Within 21 days of the end of each quarter.	Principal Officer/ Chief (Investment)
5	Form 4	Prudential Investment Norms – Compliance Report	Yearly	Within 30 days from the date of Board approval of audited accounts.	Principal Officer/ Chief (Investment)

The Authority may, by any general or special order, modify or relax any requirement relating to the above.

7. Power to Call for additional information

The Authority may, by general or special order, require from the insurers such other information in such manner, intervals and time limit as may be specified therein.

8. Duty to Report extraordinary events affecting the investment portfolio

Every insurer shall report to the Authority forthwith, the effect or the probable effect of any event coming to his knowledge, which could have an adverse impact on the investment portfolio held by him.

9. Constitution of Investment Committee

Every insurer shall constitute an Investment Committee which shall consist of a minimum of two non-executive directors of the Insurer, the Principal Officer, Chiefs of Finance and Investment divisions, and wherever appointed actuary is present, the Appointed Actuary. The

decisions taken by the Investment Committee shall be properly recorded and be open to inspection by the officers of the Authority.

10. Miscellaneous

- (1) Valuation of Assets and Accounting of Investments shall be as per the Insurance Regulatory and Development Authority (Preparation of Financial Statements and Auditor's Report of Insurance Companies) Regulations, 2000.
- (2) The Authority may, by any general or special order, modify or relax requirement relating to regulation 5.

SCHEDULE I (See Regulation 3)

LIST OF APPROVED INVESTMENTS FOR LIFE BUSINESS

'Approved Investments' for the purposes of Section 27A of the Act shall be as follows:

- a. All approved investments specified in Section 27A of the Act except
 - i) clause (b) of sub-section (1) of section 27A of the Act;
 - ii) first mortgages on immovable property situated in other country as stated in clause (m) of subsection (1) of section 27A of the Act
 - iii) immovable property situated in other country as stated in clause (n) of subsection (1) of section 27A of the Act

In addition the Authority under powers given vide clause (s) of sub-section(1) section 27A of the Act declares the following investments as approved investments:

- b. All secured loans, deposits, debentures, bonds, other debt instruments, shares and preference shares rated as 'very strong' or more by a reputed and independent rating agency (e.g. AA of Standard and Poor);
- c. Deposits with banks (e.g. in current account, call deposits, notice deposits, term deposits, certificates of deposits, etc) and with Primary Dealers recognised by RBI included for the time being in the Second Schedule to the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934);
- d. Commercial papers issued by a company having a 'very strong' or more rating by a reputed and independent rating agency (e.g. AA of Standard and Poor);
- e. Investments in Venture Capital Funds of such companies/ organisations which have a proven track record and have been rated 'very strong' or more by a reputed and independent rating agency (e.g. AA of Standard and Poor).

Explanation: For this purpose any investment in the shares or debentures or short or medium or long term loans or deposits with private limited companies shall not be treated as 'approved investments'.

SCHEDULE II (See Regulation 4)

LIST OF APPROVED INVESTMENTS FOR GENERAL BUSINESS

'Approved Investments' for the purpose of Section 27B of the Act shall be as follows:

- a. All approved investments specified in Section 27B of the Act except
 - i) clause (b) of sub-section (1) of section 27A of the Act;
 - ii) immovable property situated in other country as stated in clause (n) of subsection (1) of section 27A of the Act

iii) first mortgages on immovable property situated in other country as stated in clause (i) of subsection (1) of section 27B of the Act

In addition the Authority under powers given vide clause (j) of sub-section(1) section 27B of the Act declares the following investments as approved investments:

- b. All secured loans, deposits, debentures, bonds, other debt instruments, shares and preference shares rated as 'very strong' or more by a reputed and independent rating agency (e.g. AA of Standard and Poor);
- c. Loans to State Government for Housing and Fire Fighting Equipment.
- d. Deposits with banks (e.g. in current account, call deposits, notice deposits, term deposits, certificates of deposits, etc) and with Primary Dealers recognised by RBI included in the time being in the Second Schedule to the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934);
- e. Commercial papers issued by a company having a 'very strong' or more rating by a reputed and independent rating agency;
- f. Treasury Bills issued by RBI, Inter Bank Repo of RBI and Bills Rediscounting.
- g. Investments in Venture Capital Funds of such companies/ organisations which have a proven track record and have been rated 'very strong' or more by a reputed and independent rating agency (e.g. AA of Standard and Poor).

Explanation: For this purpose any investment in the shares or debentures or short or medium or long term loans or deposits with private limited companies shall not be treated as 'approved investments'.

SCHEDULE III (See Regulation 5)

Asset Cover:

Asset Cover shows the relationship between Fixed Assets and secured loans. It is to be calculated by dividing Fixed Assets by Secured Loans. Details of working are as under:

FIXED ASSETS	
Net Block of the Fixed Assets	
Add: Capital Work in Progress	
Less: Revaluation Reserves	
Less: Goodwill	
Less: Assets not available viz exclusively charged assets. Vehicles, leased assets, etc.	
TOTAL (A)	
SECURED LOANS	
First Charge debentures	
Secured Term Loans	
Deferred Payment Guarantee (if assets are not exclusively charged)	
Proposed Borrowings	
TOTAL (B)	
Asset Cover (A/B)	

Debt Equity Ratio:

The relationship describing the lender's contribution against owner's contribution shall be debt equity ratio. It shall be calculated by dividing long term debt by Networth. Details of working are as under:

First Charge Debentures (Gross Block less Depreciation)	
Secured Term Loan	
Deferred Payment Guarantee	
Second Charge Debentures	
Non-convertible Part of Existing convertible debentures	
Non-convertible Part of proposed convertible debentures	
Unsecured Term Loans	
Proposed Borrowings	
DEBT (A)	
Equity Share Capital	
Preference Share Capital	
Free Reserves	
Convertible part of Existing Convertible Debentures	
Convertible part of Proposed Convertible Debentures	
Total	
Less: Miscellaneous Expenses	
NET WORTH (B)	
Debt Equity Ratio (A/B)	

Interest Cover:

Interest Cover shows the number of times the interest charges are covered by funds that are ordinarily available for payment. It shall be calculated by dividing Profit before depreciation, Interest and Tax (PBDIT) by Interest Charges. Details of working are as under:

Profit before Tax	
Add: Depreciation	
Add: Financial Charges	
Add: Non-Recurring Expenses	
Less: Non-Recurring Income	
PBDIT (A)	
Existing Financial Charges	
Add: Interest on proposed borrowings	
FINANCIAL CHARGES (B)	
Interest Cover (A/B)	

Form: 1

Company Name and Code:

Statement Date: As at

STATEMENT OF INVESTMENT AND INCOME ON INVESTMENT

Periodicity of Submission: Yearly

Category Of Investment	Current Year				Previous Year			
	Investment (Rs.)	Income on Investment(Rs.)	Gross Yield (%)	Net Yield (%)	Investment (Rs.)	Income on Investment(Rs.)	Gross Yield (%)	Net Yield (%)
Total								

CERTIFICATION

Certified that the information given herein are correct and complete to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed or suppressed.

Date: _____

Signature: _____
Full Name & Designation

[अतः III - अनु 4]

अतः अनु 4 : अनु 4

Statement Date: As at

Periodicity of Submission: Quarterly

[illegible]

Certified that the information given herein are correct and complete to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed or suppressed.

Signature: _____
Full Name & Designation

Form: 3 A

Company Name and Code:

Statement Date: As at

**Statement of Investment of Controlled Funds - Compliance Report to be submitted Quarterly
Life Business**

S.No.	Type of Investment	INVESTMENT OF CONTROLLED FUND			
		Percentage	Amount Invested as per regulations	Actual %	Market Value or Realisable Value
i)	Government Securities	25%			
ii)	Government Securities or other approved securities (including (i) above)	Not less than 50%			
iii)	Approved Investments				
a)	Infrastructure and Social Sector	Not less than 15%			
b)	Others	Not exceeding 20%			
iv)	Other than Approved Investments	Not exceeding 15%			
	Total Investments	100%			

**Statement of Investment of Assets - Compliance Report to be submitted Quarterly
Pension Business, General Annuity Business and Group Business**

S.No.	Type of Investment	INVESTMENT OF ASSETS			
		Percentage	Amount Invested as per regulations	Actual %	Market Value or Realisable Value
i)	Government Securities being not less than	20%			
ii)	Government Securities or other approved securities (including (a) above) being not less than	40%			
iii)	Balance Investments to be invested in Approved Investments not exceeding	60%			
	Total Investments	100%			

CERTIFICATION

Certified that the information given herein are correct and complete to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed or suppressed.

Date: _____

 Signature: _____
 Full Name & Designation

[Part III—Form 4]

भारत का राजपत्र : असाधारण

Form: 3 B

Company Name and Code:

Statement Date: As at

**Statement of Investment of Total Assets - Compliance Report to be submitted Quarterly
General Business**

S.No.	Type of Investment	INVESTMENT OF TOTAL ASSETS		Actual %	Market Value or Realisable Value
		Percentage	Amount Invested as per regulations		
i)	Central Government Securities being not less than	20%			
ii)	State Government Securities and other Guaranteed securities including a) above being not less than	30%			
iii)	Housing and Loans to State Govt. for Housing and Fire Fighting Equipment being not less than	5%			
iv)	Approved Investments				
a)	Infrastructure and Social Sector	Not less than 10%			
b)	Others	Not exceeding 30%			
v)	Other Than Approved Investments	Not exceeding 25%			
	Total Investments	100%			

CERTIFICATION

Certified that the information given herein are correct and complete to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed or suppressed.

Date: _____

Signature: _____
Full Name & Designation

Form: 4

Company Name and Code:

Statement Date: As at

Exposure/ Prudential Norms - Compliance Report to be submitted Yearly

Exposure Norms

S.No.		Norms as per regulations	Whether Exposure Norms have been observed or not	Remarks
I	Limit for Investee Company			
i)	As on date	Not exceeding 20% of the total capital employed		
ii)	During the Year	Not exceeding 5% of estimated annual accretion of funds.		
II	Limit for the entire group to which the investee company belongs			
i)	As on date	Not exceeding 15% of the total capital employed of the group companies		
ii)	During the Year	Not exceeding 10% of estimated annual accretion of funds		
III	Limit for the industry sector to which the investee company belongs	Not exceeding 15% of the total capital employed of the group companies		
	Norms for Investment in Public Financial Institutions			
	Equity Shares and preference shares (at their face value)	Not exceeding 15% in general of the paid up equity/ preference capital of the institution		
	Investment in Equity Capital, Bonds, Debentures, Term Loans	Not exceeding 10% of the capital employed by an institution as per the last Balance Sheet		
	Total Investment vis-à-vis Net worth of the Company	Not exceeding 60% of net worth of the Institution		
	Total Investment in a Financial Year	7.5% of annual accretions		
	Total Investment in all Financial Institutions	Annual aggregate financial assistance to all Development Financial Institutions put together in a single year shall not exceed 20% of the estimated annual accretions for the year		

Prudential Norms

S.No.	Instruments	Whether Prudential Norms have been observed while making investments	Remarks
i)	Debentures		
a)	Norms for Fully Convertible Debentures and Partly Convertible Debentures		
b)	Norms for Non-Convertible Debentures and Non-Convertible Debentures with warrants attached		
ii)	Term Deposits and Loans with Non-Banking Companies		
iii)	Infrastructure and Social Sector		
iv)	Guidelines on subscription to Preference Shares		

CERTIFICATION

Certified that the information given herein are correct and complete to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed or suppressed.

Date: _____

Signature: _____
Full Name & Designation

N. RANGACHARY, Chairperson
[Adv/L/3/4/Exty./161/2000]

